CORDOVA® App 24X7 For Teachers Only

FREE SMART CLASS SOFTWARE WITH WEB SUPPORT

FOR TEACHERS ONLY

नव भारती

हिंदी पाठमाला

4

Scanned with CamScanner

विषय-सूची

	पाठ का नाम	विधा	पृष्ठ संख्या
1.	सवेरा	कविता	9
2.	बिलकुल मुफ़्त	चित्रकथा	13
	केवल पढ़ने के लिए (सोने के सिक्के)		21
3.	कर्नाटक की सैर	पर्यटन	23
4.	मेरा भारत देश	कविता	28
5.	पापा जब बच्चे थे	विदेशी कथा	32
	क्या ऐसा कर सकते हैं?		38
6.	धरती को बुख़ार	विज्ञानपरक लेख	39
	केवल पढ़ने के लिए (कर लो पर्यावरण सुधार)		45
7.	परीक्षा	पौराणिक कथा	46
8.	सबसे बड़ी जीत	नाटक	52

Scanned with CamScanner

भाषा की योग्यता और कौशल

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	लिखना	गतिविधियाँ	संदेश
1.	कविता को कंठस्थ करके सुनाना, शब्दार्थ, श्रुतलेख, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नोत्तर।	कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, पर्यायवाची शब्दों का मिलान, विलोम शब्द छाँटकर लिखना तथा वर्णों को मिलाकर शब्द बनाना।	खोजबीन, कैसा अनुभव हुआ? ✓ निशान लगाकर बताना तथा कविता-लेखन।	सवेरा मन में जोश व उल्लास भर देता है।
2.	चित्रकथा को पढ़कर समझना, शब्दार्थ, श्रुतलेख, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नोत्तर।	पहले क्या हुआ? सही क्रम लिखना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, मुहावरे का अर्थ समझकर वाक्य-प्रयोग करना, बहुवचन रूप में ✓ निशान लगाना तथा वचन-परिवर्तन करके वाक्य लिखना।	बातचीत लिखना, कहानी बनाना तथा कल्पना के आधार पर लिखना।	लालच बुरी बला है।
3.	पाठ को प्रभावशाली ढंग से सुनना-सुनाना, शब्दार्थ, श्रुतलेख, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नोत्तर।	प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, संज्ञा शब्दों पर गोला लगाना, संज्ञा के भेद में ✓ निशान लगाना तथा संयुक्त व द्वित्व व्यंजन से बने शब्द छाँटकर लिखना।	खोजबीन तथा चित्र पहचानकर भाषा लिखना।	घूमने-फिरने से आनंद के साथ-साथ तरह-तरह की जानकारियाँ भी मिलती हैं।
4.	कविता कंठस्थ करके पूरे जोश के साथ वाचन करना, शब्दार्थ, श्रुतलेख, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नोत्तर।	पंक्तियाँ पूरी करना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, समान अर्थ छाँटकर लिखना, 'है' या 'हैं' का प्रयोग करना तथा 'की' या 'कि' से खाली जगह भरना।	सुनिए और बताइए, खोजबीन, निबंध-लेखन तथा हँसने की बारी।	हमारा भारत देश महान है।
5.	कथा को प्रभावशाली ढंग से सुनना-सुनाना, शब्दार्थ, श्रुतलेख, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नोत्तर।	✓ या ✗ निशान लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, नए शब्द बनाना तथा स्त्रीलिंग रूप में ✓ निशान लगाना।	परिवार में लोगों को क्या कहते हैं, लिखना तथा चित्रों के सही क्रम लिखना।	सबसे पहले हमें अच्छा इनसान बनना चाहिए।
6.	लेख का पठन-पाठन, शब्दार्थ, श्रुतलेख, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नोत्तर।	किसने, किससे कहा?, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करके लिखना, सर्वनाम शब्दों से खाली जगह भरना तथा 'ड़' व 'ढ़' से बने शब्द लिखना।	खोजबीन, मन में उठने वाले प्रश्न लिखना, बैनर बनाना, अनुच्छेद-लेखन तथा माथापच्ची।	हम सभी को पेड़-पौधे लगाने चाहिए।
7.	कथा को प्रभावशाली ढंग से पढ़ना, भाव समझना, शब्दार्थ, श्रुतलेख, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नोत्तर।	✓ या ✗ निशान लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द छाँटकर लिखना, विशेषण शब्दों से खाली जगह भरना तथा विशेषण-विशेष्य का मिलान करना।	सुनिए और बताइए, खोजबीन, प्रेरक प्रसंग पढ़ना, अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न तथा हँसने की बारी।	प्राप्त ज्ञान को व्यवहार में लाने पर ही शिक्षा पूरी होती है।
8.	नाटक के संवादों का प्रभावशाली ढंग से वाचन, मंचन, शब्दार्थ, श्रुतलेख, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नोत्तर।	प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, क्रिया शब्दों को रेखांकित करना, कर्ता पर गोला व कर्म को रेखांकित करना तथा क्रिया शब्दों के रूप से वाक्य पूरे करना।	खोजबीन, कल्पना के आधार पर नाटक में हुए बदलाव बताना, अनुच्छेद-लेखन, कहानी सुनाना तथा क्रिकेट मैच का आयोजन।	परोपकार करना ही सबसे बड़ी जीत है।

Scanned with CamScanner

शिक्षक के लिए

- बच्चों को बताएँ कि अलग-अलग संस्कृति के लोगों के अभिवादन करने के अलग-अलग तरीके होते हैं। अभिवादन करके हम एक-दूसरे के प्रति आदर और स्नेह प्रकट करते हैं। अत: हम सभी को अभिवादन करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

सवेरा

(कविता)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस कविता का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से लयबद्ध गान करेंगे।

सूरज की **किरणें** आती हैं,
सारी **कलियाँ** खिल जाती हैं।
अंधकार सब खो जाता है,
सब **जग सुंदर** हो जाता है।
चिड़ियाँ गाती हैं मिल-जुलकर,
बहते हैं, उनके मीठे **स्वर**।
ठंडी-ठंडी हवा **सुहानी**,
चलती है जैसे **मस्तानी**।
नई **ताज़गी**, नई कहानी,
नया **जोश** पाते हैं **प्राणी**।
खो देते हैं आलस सारा,
और काम लगता है प्यारा।
सुबह भली लगती है उनको,
मेहनत प्यारी लगती जिनको।
अगर सुबह भी **अलसा** जाए,
तो क्या जग सुंदर हो पाए!

–श्रीप्रसाद

संदेशः सवेरा मन में जोश व उल्लास भर देता है।

शिक्षक के लिए

- बातचीत की शैली में बच्चों से पूछें कि सुबह का दृश्य कैसा दिखता है? सुबह उठकर आप कैसा महसूस करते हैं? इसके साथ ही उन्हें सुबह जल्दी उठने की सीख दें।

शब्द-अर्थ

किरण – प्रकाश-रेखा	**सुहानी** – सुखद होना	**ताज़गी** – नयापन
सुंदर – खूबसूरत	**अंधकार** – अँधेरा	**जोश** – उत्साह
जग – दुनिया	**अलसा** – सुस्ती महसूस होना	**कली** – फूल का अधखिला रूप
स्वर – आवाज़	**मस्तानी** – मस्ती में	**प्राणी** – जिसमें प्राण हों– मनुष्य, जीव-जंतु

वाचन/श्रुतलेख– किरण, कलियाँ, अंधकार, चिड़ियाँ, मस्तानी, ताज़गी, प्राणी।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) सुबह का समय आपको कैसा लगता है?

(ख) सवेरे उठकर आप क्या-क्या काम करते हैं?

(ग) सुबह-सुबह उगते हुए सूरज को देखकर आपको कैसा महसूस होता है?

लिखित

1. **दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–**

चिड़ियाँ गाती ....,

.... मीठे स्वर।

ठंडी-ठंडी ....,

.... मस्तानी।

Scanned with CamScanner

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–

(क) सूरज की किरणें आती हैं, तो क्या खिल जाती हैं? ....

(ख) चिड़िया का स्वर कैसा है? ....

(ग) सुबह होने पर प्राणी क्या खो देते हैं? ....

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सूरज की किरणें आने पर क्या-क्या होता है?

(ख) हवा के बारे में क्या कहा है?

(ग) सुबह किसको भली लगती है?

(घ) इस कविता से क्या सीख मिलती है?

पाठ से आगे

आस-पास

- सुबह और शाम के समय में आपको क्या-क्या अंतर दिखाई देते हैं?

भाषा की दुनिया

पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, शब्द बनाना

1. समान अर्थ वाले शब्दों को **पर्यायवाची शब्द** कहते हैं; जैसे– आँख-नेत्र, नयन।

पर्यायवाची शब्दों का मिलान कीजिए–

सूरज	प्रातः
हवा	सूर्य
सुबह	वायु
चिड़िया	खूबसूरत
जग	खग
सुंदर	संसार

Scanned with CamScanner

2. उलटे अर्थ बताने वाले शब्दों को **विलोम शब्द** कहते हैं; जैसे– सरल–कठिन।

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द छाँटकर लिखिए–

मीठा – .... अंधकार – ....

नई – .... खोना – ....

खिलना – .... ठंडा – ....

पुरानी	गरम
प्रकाश	पाना
कड़वा	मुरझाना

3. वर्णों के मेल से शब्द बनता है; जैसे– स् + ऊ + र् + अ + ज् + अ = सूरज।

अब आप दिए गए वर्णों को जोड़कर शब्द बनाकर लिखिए–

(क) ह् + अ + व् + आ – ....

(ख) क् + अ + ह् + आ + न् + ई – ....

(ग) ज् + ओ + श् + अ – ....

(घ) अ + ल् + अ + स् + आ – ....

रचनात्मक

खोजबीन

- सूरज का रंग लाल क्यों होता है? पता लगाकर बताइए।

आओ कुछ नया करें

- जब आपको सूरज, हवा और पंछी आकर जगाएँगे, तो उनके छूने पर आपको कैसा अनुभव होगा? ✓ निशान लगाकर बताइए–

सूरज	–	ठंडा	☐	गरम	☐	मुलायम	☐
हवा	–	ठंडा	☐	गरम	☐	मुलायम	☐
पंछी	–	ठंडा	☐	गरम	☐	मुलायम	☐

- पर्वत, सागर, नभ, पृथ्वी, फूल आदि हमें कई संदेश देते हैं। इस आधार पर एक छोटी–सी कविता बनाकर लिखिए; जैसे– फूलों से नित हँसना सीखो।

Scanned with CamScanner

2 बिलकुल मुफ़्त

(चित्रकथा)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस चित्रकथा का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

शिक्षक के लिए

- बच्चों को बताएँ कि यह एक गुजराती लोककथा है।
- इस चित्रकथा को रोचक ढंग से पढ़ाते हुए बीच-बीच में प्रश्न भी पूछ सकते हैं; जैसे–बचत करना और कंजूसी करने में क्या अंतर है? क्या आपने नारियल पानी पीया है? नारियल पानी का स्वाद कैसा होता है? नारियल कैसा दिखता है?

Scanned with CamScanner

सोचिए और बताइए– भीखूभाई नारियल कितने में खरीदेंगे?

भीखूभाई हाँफते हुए बोले–

चलते-चलते भीखूभाई के पैरों में दर्द हो रहा था लेकिन सस्ते के चक्कर में वे बगीचे में जा पहुँचे और माली से बोले–

मुफ़्त सुनकर भीखूभाई बहुत खुश हुए और नारियल के पेड़ पर चढ़कर जैसे ही नारियल तोड़ने के लिए हाथ बढ़ाया वैसे ही पैर फिसला और भीखूभाई नारियल पकड़े हुए लटक गए। अब उनके पैर हवा में झूलने लगे।

तभी एक ऊँटवाला वहाँ से गुज़र रहा था।

Scanned with CamScanner

ऊँटवाले ने ऊँट की पीठ पर खड़े होकर भीखूभाई के पैरों को पकड़ लिया। उसी समय ऊँट को हरी घास दिखाई दी और वह घास खाने के लिए नीचे झुक गया। फिर क्या! ऊँटवाला भी भीखूभाई के पैर पकड़े हवा में झूलने लगा।

अब भीखूभाई और ऊँटवाले का शोर सुनकर एक घोड़े पर सवार आदमी उनकी मदद के लिए रुका। वह घोड़े की पीठ पर चढ़कर खड़ा ही हुआ था कि घोड़ा भी घास के चक्कर में आगे बढ़ गया।

और अब तीनों एक के नीचे एक लटके हुए झूलने लगे। घोड़ेवाला और ऊँटवाला ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहे थे–

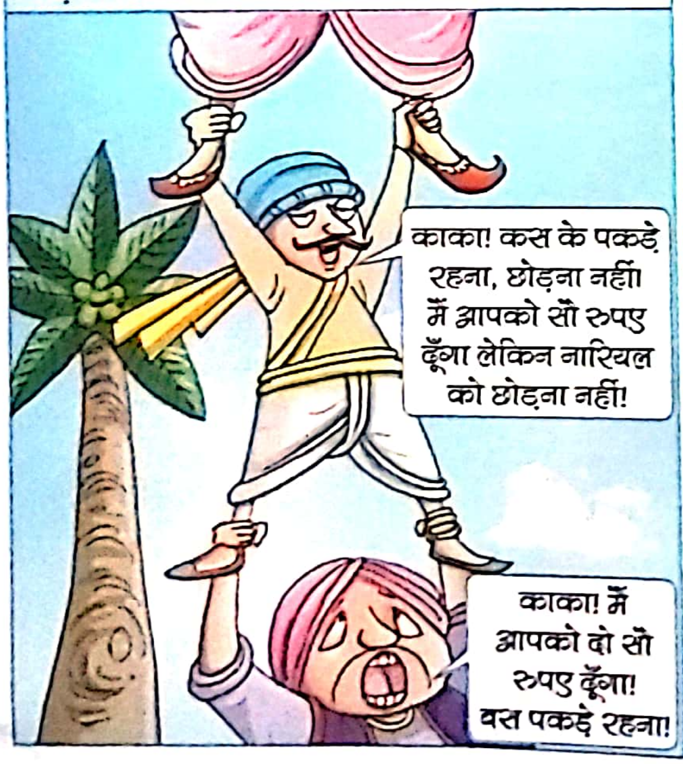

भीखूभाई यह सुनकर फूले न समाए। वे सोचने लगे–

Scanned with CamScanner

खुशी से भीखूभाई ने अपने दोनों हाथ फैलाए और नारियल हाथ से छूट गया।

तीनों ज़मीन पर गिरे धड़ाम! भीखूभाई अपने आपको सँभाल ही रहे थे कि एक बहुत बड़ा नारियल उनके सिर पर आ गिरा! **बिलकुल मुफ़्त!**

संदेश: लालच बुरी बला है।

शब्द-अर्थ

बचत – लाभ		**बगीचा** – उपवन	
दाम – कीमत		**मुफ़्त** – बिना पैसे के, फ्री	
बिलकुल – एकदम		**मदद** – सहायता	
मेहनत – परिश्रम		**फूला न समाना** – बहुत खुश होना	
महँगा – कीमत ज़्यादा होना		**कंजूस** – हद से ज़्यादा धन बचाने वाला	

☞ **वाचन/श्रुतलेख–** कंजूस, नारियल, ख़र्च, महँगा, मंडी, मुफ़्त, चक्कर, दर्द, धड़ाम।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) आप कंजूस किसे कहेंगे?

(ख) क्या आपने नारियल पानी पीया है? यदि हाँ, तो आपको नारियल पानी कैसा लगता है?

(ग) इस चित्रकथा के अंत में क्या हुआ?

लिखित

1. चित्रकथा में पहले क्या हुआ? बॉक्स में सही क्रम लिखकर बताइए–

– भीखूभाई नारियल पकड़कर हवा में झूलने लगे। ☐

– भीखूभाई का नारियल पानी पीने का मन हुआ। [1]

– घोड़ेवाला मदद के लिए आया। ☐

– सस्ते के चक्कर में भीखूभाई बगीचे में जा पहुँचे। ☐

– बड़ा-सा नारियल भीखूभाई के सिर पर गिरा। ☐

– ऊँटवाला भीखूभाई की मदद करने के लिए आया। ☐

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–

(क) कौन बहुत कंजूस था? ....

(ख) भीखूभाई का क्या पीने का मन हुआ? ....

(ग) भीखूभाई की मदद के लिए सबसे पहले कौन आया? ....

(घ) घोड़ेवाले ने भीखूभाई को कितने रुपए देने का लालच दिया? ....

Scanned with CamScanner

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) क्या सोचकर भीखूभाई मंडी की ओर चल दिए?

(ख) अंत में भीखूभाई ने नारियल के लिए क्या किया और क्यों?

(ग) बगीचे में भीखूभाई की मदद के लिए कौन-कौन आया तथा क्या वे भीखूभाई को बचा पाए?

(घ) भीखूभाई के हाथ से नारियल कैसे छूट गया?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

- क्या बढ़ी और क्या घटी? बताइए–

(क) भीखू का लालच (ख) नारियल का दाम (ग) भीखू की थकान

आस-पास

- यदि आप सब्ज़ी मंडी में जाएँगे, तो वहाँ कैसी-कैसी आवाज़ें सुनने को मिलेंगी तथा वहाँ पर क्या-क्या बिक रहा होगा?

भाषा की दुनिया — मुहावरे, वचन

1. **'फूला न समाना'** मुहावरे का अर्थ समझकर वाक्य-प्रयोग कीजिए–

....

2. शब्द के जिस रूप से एक या अनेक होने का बोध हो, उसे **वचन** कहते हैं; जैसे– गुब्बारा (एकवचन)– गुब्बारे (बहुवचन)। इसी तरह, पुस्तक – पुस्तकें, घड़ी – घड़ियाँ।

अब आप दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप में ✓ निशान लगाइए–

पैसा	–	पैसों	☐	पैसे	☐	पैसें	☐
रुपया	–	रुपयाँ	☐	रुपयों	☐	रुपए	☐
बगीचा	–	बगीचाँ	☐	बगीचों	☐	बगीचे	☐
हवा	–	हवाएँ	☐	हवाए	☐	हवाय	☐

Scanned with CamScanner

3. रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर दोबारा वाक्य लिखिए–

(क) मंडी में नारियल **<u>सस्ता</u>** मिलेगा। ....मंडी में नारियल सस्ते मिलेंगे।..............

(ख) **<u>घोड़ा</u>** घास खाने के लिए बढ़ा। ....

(ग) भीखूभाई ने **<u>आँख</u>** फैलाकर कहा। ....

(घ) **<u>वह</u>** ज़मीन पर गिरा धड़ाम! ....

रचनात्मक

बातचीत

- भीखूभाई और नारियलवाले के बीच की बातचीत को अपने शब्दों में लिखिए–

भीखूभाई – ....

नारियलवाला – ....

भीखूभाई – ....

नारियलवाला – ....

आओ कुछ नया करें

- यदि भीखूभाई का मन नारियल पानी पीने की जगह अमरूद खाने का करता, तो इस चित्रकथा में क्या-क्या बदलाव आते? सोचिए और एक कहानी बनाइए।
- चित्र देखकर लिखिए कि इस समय तीनों क्या सोच रहे होंगे?

भीखूभाई – ....
....

ऊँटवाला – ....
....

घोड़ेवाला – ....
....

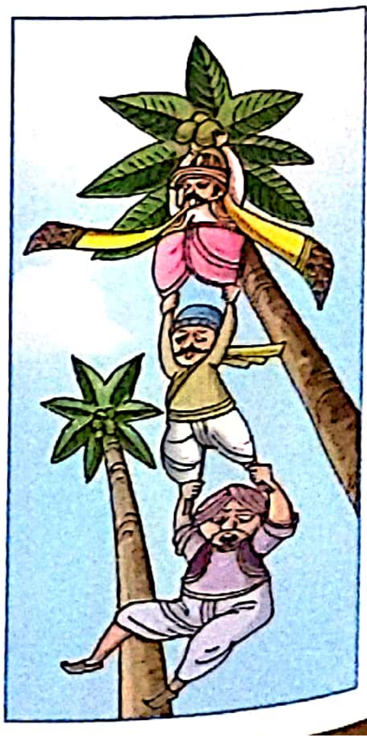

केवल पढ़ने के लिए

सोने के सिक्के

एक दिन विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने सभासदों की बुद्धि की परीक्षा लेने की सोची। उन्होंने दरबार में ऐलान किया, "आज हम आप लोगों को पचास-पचास सोने के सिक्के देंगे। इन सिक्कों से आपको एक सप्ताह में अपनी पसंदीदा चीज़ें खरीदनी हैं पर ध्यान रहे, प्रत्येक सिक्के को ख़र्च करते समय आपको हमारा चेहरा देखना होगा। और हाँ, जो इस शर्त को नहीं मानेगा, उसे दंड मिलेगा।"

इस तरह सभा समाप्त हुई और सब लोग सोने के सिक्के लिए बाज़ार पहुँच गए।

मंत्री जी कुरता देखते हुए मन-ही-मन सोचते हैं, "मैं यह सिल्क का कुरता खरीदूँगा। बड़ा ही सुंदर है पर खरीदूँ कैसे! महाराज का पहले चेहरा जो देखना है!"

दरबारी भी ललचाते हुए, "ये गोटेवाली धोती खरीद लूँ। मुझ पर खूब जँचेगी। पर कैसे!"

सब लोग राजा कृष्णदेव राय का चेहरा देखने के लिए बेचैन थे लेकिन महाराज तो महल से बाहर ही नहीं निकले।

इस तरह महाराज का चेहरा देखे बिना ही एक सप्ताह बीत गया। कोई भी अपनी पसंदीदा चीज़ नहीं खरीद सका।

अगले दिन उदास होकर सभी राजदरबार में पहुँचे।

राजा कृष्णदेव राय ने पूछा, "किस-किसने, क्या-क्या खरीदा? हम जानना चाहते हैं।"

मंत्री जी बोले, "महाराज! हम लोगों ने कुछ भी नहीं खरीदा। आपकी शर्त के अनुसार हम आपका चेहरा ही नहीं देख पाए।"

राजा के आदेशानुसार सभी ने सोने के सिक्के राजा को वापस कर दिए।

राजा कृष्णदेव राय ने अपनी नज़रें घुमाते हुए पूछा, "सभी दिखाई दे रहे हैं लेकिन पंडित तेनालीराम नहीं दिख रहे। वे हैं कहाँ?" तभी पंडित तेनालीराम कीमती वस्त्र पहने हुए दरबार में प्रवेश करते हैं।

सब उन्हें हैरानी से देखते हैं।

राजा कृष्णदेव राय ने पूछा, "पंडित रामा! क्या आपने हमारे दिए सिक्कों से मनपसंद चीज़ें खरीदीं?" तेनालीराम खुश होते हुए बोले, "जी महाराज! ये जो आप नई धोती, नई पगड़ी, सिल्क का कुरता पहने हुए मुझे देख रहे हैं, ये सब मैंने उन्हीं सिक्कों से तो खरीदा है।"

यह सुनकर मंत्री जी बोले, "लेकिन महाराज तो महल से बाहर ही नहीं निकले। फिर आपने उनका चेहरा कब देखा? इसका मतलब आपने महाराज की आज्ञा का पालन नहीं किया?"

"नहीं-नहीं मंत्री जी, ऐसा नहीं है।" फिर तेनालीराम ने राजा कृष्णदेव राय को बताया, "महाराज, सोने के प्रत्येक सिक्के पर आपका चेहरा छपा हुआ है। अतः मैंने प्रत्येक सिक्के को ख़र्च करते समय उस पर छपा आपका चेहरा देखा। उसके बाद ही चीज़ें खरीदीं।" तेनालीराम की बात सुनकर सब चकित रह गए।

राजा मुसकराते हुए बोले, "पंडित रामा! हम आपकी बुद्धिमानी से प्रसन्न हुए। हम आपको सौ और सोने के सिक्के इनाम में देते हैं।"

Scanned with CamScanner

3 कर्नाटक की सैर

(पर्यटन)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

कुछ रोज़ पहले मेरे नाना जी की चिट्ठी आई थी, जिस पर मेरा नाम लिखा था– शिवानी शर्मा। मैं चिट्ठी देखकर खुशी से उछल पड़ी, "अरे वाह! नाना जी ने मेरे नाम चिट्ठी भेजी है।" मेरे नाना जी कर्नाटक में स्थित मैसूर शहर में रहते हैं। वे जानते हैं कि हर साल की तरह इस वार भी हमारे विद्यालय में दशहरे की छुट्टियाँ ज़रूर होंगी। यह सोचकर उन्होंने छुट्टियों में कर्नाटक आने का आदेश दिया। फिर क्या था! नाना जी के आदेश का पालन हुआ! छुट्टियाँ शुरू होते ही मैं, मेरा भाई केशव और मम्मी-पापा कर्नाटक पहुँच गए। यह तो हम जानते ही थे कि मैसूर का दशहरा दुनियाभर में मशहूर है। दस दिनों तक चलने वाले इस **उत्सव** में मेलों की **रौनक** देखते ही बनती है। पहले ही दिन हम नाना जी के साथ मेला घूमने निकल गए। भई! **दक्षिण भारत** की सैर करने आए हैं तो **पहनावा** भी यहीं का होना चाहिए। इसलिए मैंने और मम्मी ने खास तरह की साड़ी पहनी। नाना जी, पापा और केशव ने धोती बाँधी, जिसे 'पाँचे' कहते हैं। इन लोगों ने सिर पर अलग तरह की पगड़ी भी पहनी, जिसे 'मैसूर पेटा' कहते हैं। वहाँ की पोशाक पहनकर एक अलग-सी खुशी महसूस हो रही थी। अब मेले में आए हैं तो दक्षिण के खाने का स्वाद लेना तो बनता ही है।

सोचिए और बताइए– शिवानी ने दक्षिण भारत के कौन-कौन-से व्यंजनों का स्वाद चखा होगा?

हमने बिसे बेले भात, जोलड रोट्टी, रागी वड़ा, उपमा, मसाला डोसा, मद्दूर वड़ा आदि का स्वाद चखा। मैसूर की मशहूर मिठाई मैसूर पाक का स्वाद मैं अब तक नहीं भूल पाई हूँ।

घर आकर नाना जी ने हमें बताया कि मैसूर में दशहरे के दसवें दिन हाथियों को सजाकर देवी की मूर्ति को विराजमान कर **पारंपरिक विधि** के अनुसार मैसूर महल से बन्नी मंटप तक की लंबी **यात्रा** निकाली जाती है।

अगली सुबह हम मैसूर महल, जगनमोहन महल, चामुंडी पहाड़ी, चिड़ियाघर और रेल **म्यूज़ियम** भी देखने गए। हमारा दिन बहुत अच्छा बीता। आगे के दिन कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में बिताने का प्रोग्राम बना। फिर क्या था! पहुँच गए बेंगलुरू। यहाँ पर हम शिव मूर्ति, इस्कोन मंदिर, टीपू पैलेस, विधान सौधा, कब्बन पार्क आदि **दर्शनीय** स्थलों पर घूमे और खरीदारी में भी पीछे नहीं रहे। अब यहाँ से हमारी सवारी पर्वतीय स्थानों के लिए रवाना हुई। पहले हम रंगास्वामी मंदिर गए, जहाँ तक पहुँचने के लिए हमने लगभग 150 सीढ़ियाँ चढ़ीं। इसके बाद चिड़ियाघर गए। यह स्थान **प्रवासी** पक्षियों के लिए मशहूर है। केशव और मैंने रिवर राफ़्टिंग का भी मज़ा लिया। यहाँ से हम चिकमगलूर की पहाड़ियों में सैर करने निकले। यह जगह चाय और कॉफ़ी के **बागानों** के लिए जानी जाती है।

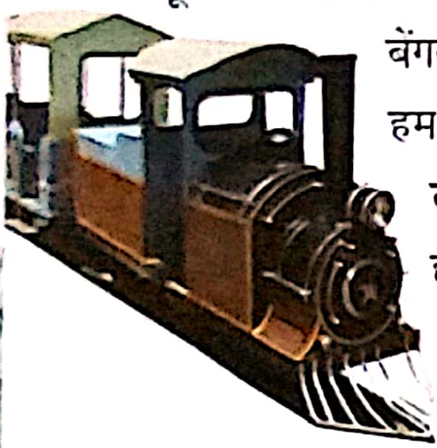

कर्नाटक के पसंदीदा शहर हम्पी, मंगलौर, उडुपी, बादामी आदि के **दृश्यों** का भी हमने खूब आनंद लिया। इस तरह हम नौ दिनों तक कर्नाटक में रहे। दसवें दिन यहाँ की यादों को कैद करके हम लोग वापस अपने घर दिल्ली आ गए। मेरा तो कुछ और दिन वहाँ रहने का मन था, पर यह तो हो नहीं सकता था क्योंकि विद्यालय की छुट्टियाँ ख़त्म हो गई थीं।

संदेशः घूमने-फिरने से आनंद के साथ-साथ तरह-तरह की जानकारियाँ भी मिलती हैं।

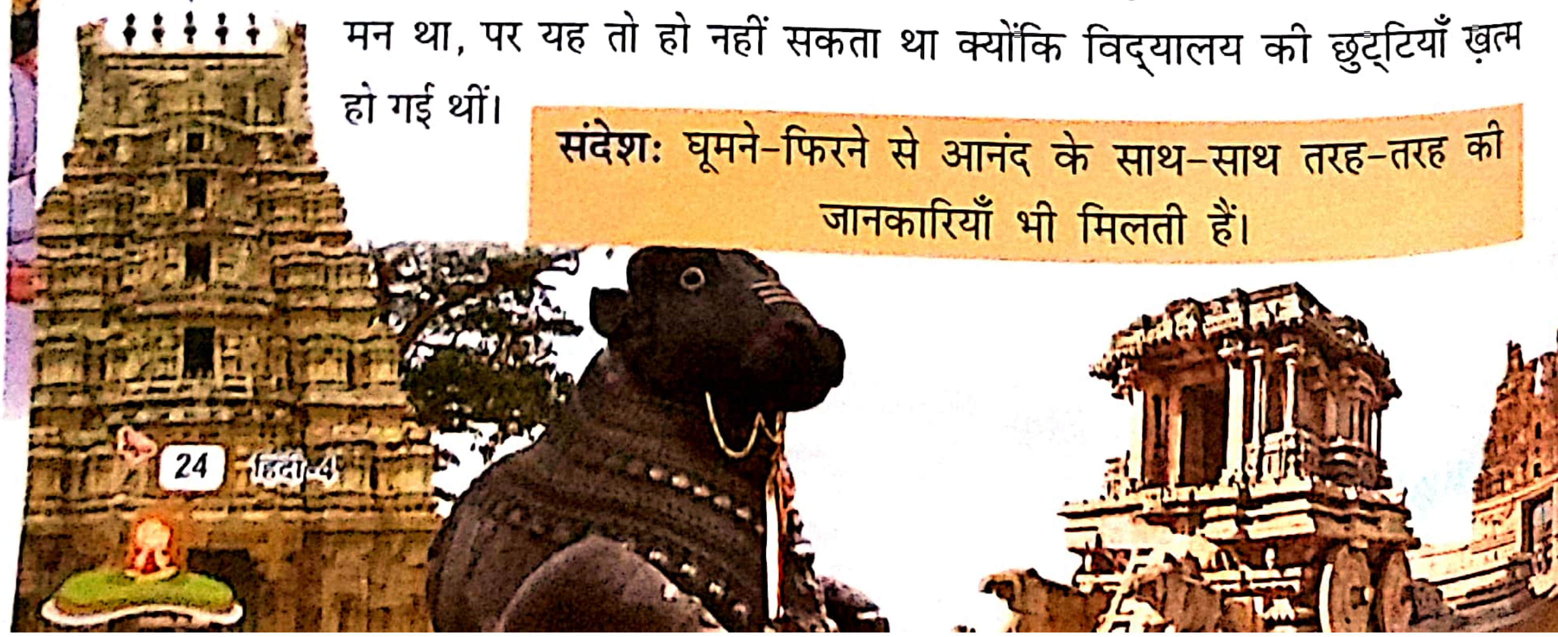

शब्द-अर्थ

पहनावा	– खास तरह के वस्त्र	**दक्षिण भारत**	– भारत का दक्षिणी भाग
पारंपरिक	– परंपरा या पहले से चला आता हुआ	**विधि**	– रीति, ढंग
यात्रा	– एक स्थान से दूसरे स्थान जाना	**दर्शनीय**	– देखने योग्य
बागान	– चाय आदि के बगीचे	**दृश्य**	– नज़ारा
प्रवासी	– परदेस में रहने वाला	**म्यूज़ियम**	– संग्रह करने का स्थान
उत्सव	– त्योहार	**रौनक**	– चमक-दमक

☞ **वाचन/श्रुतलेख–** छुट्टियाँ, कर्नाटक, मैसूर, दक्षिण, म्यूज़ियम, बेंगलुरू, दर्शनीय, चिकमगलूर।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) शिवानी और केशव दक्षिण भारत के कपड़ों में कैसे दिख रहे होंगे?

(ख) इस पाठ को पढ़कर आपने मैसूर के बारे में क्या जाना?

(ग) अंत में शिवानी का क्या मन कर रहा था?

लिखित

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–**

(क) शिवानी के नाना जी कहाँ रहते थे? ....

(ख) मैसूर का कौन-सा त्योहार दुनियाभर में मशहूर है? ....

(ग) मैसूर में जो धोती पहनते हैं, उसे क्या कहते हैं? ....

(घ) मैसूर में जो पगड़ी पहनते हैं, उसे क्या कहते हैं? ....

Scanned with CamScanner

2. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) कर्नाटक में पहले दिन सब लोग कहाँ घूमने गए और वहाँ उन्होंने क्या-क्या किया?

(ख) कर्नाटक के किन्हीं चार व्यंजनों के नाम लिखिए।

(ग) शिवानी ने कर्नाटक के बारे में क्या-क्या जाना?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

- घूमने-फिरने के क्या-क्या फ़ायदे होते हैं तथा छुट्टियों में आप कहाँ जाना पसंद करेंगे?

भाषा की दुनिया — संज्ञा, संज्ञा के भेद, संयुक्त व द्वित्व व्यंजन

1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव आदि के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को **संज्ञा** कहते हैं; जैसे– राहुल, ताजमहल, लड़का, मित्रता। **दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्दों पर (गोला) बनाइए–**

(क) शिवानी अपने नाना जी के पास गई।

(ख) वे मैसूर में रहते हैं।

(ग) वहाँ का दशहरा मशहूर है।

(घ) हमारा बेंगलुरू जाने का प्रोग्राम बना।

(ङ) शिवानी और केशव भाई-बहन हैं।

(च) कर्नाटक का पसंदीदा शहर हम्पी है।

2. संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

व्यक्तिवाचक संज्ञा – किसी विशेष प्राणी, वस्तु, स्थान आदि के नाम; जैसे– रोहन, आगरा।

जातिवाचक संज्ञा – जो शब्द पूरी जाति के बारे में बताए; जैसे– लड़का, शहर।

भाववाचक संज्ञा – जिन शब्दों से गुण, दोष, अवस्था आदि की जानकारी मिले; जैसे– बचपन, हँसी।

रेखांकित शब्दों में संज्ञा का कौन-सा भेद है? ✓ निशान लगाइए–

(क) <u>विद्यालय</u> में छुट्टियाँ थीं। व्यक्तिवाचक संज्ञा ☐ जातिवाचक संज्ञा ☐

(ख) <u>कर्नाटक</u> भारत के दक्षिण में है। व्यक्तिवाचक संज्ञा ☐ जातिवाचक संज्ञा ☐

(ग) तुम्हारा पत्र पढ़कर <u>खुशी</u> हुई। जातिवाचक संज्ञा ☐ भाववाचक संज्ञा ☐

Scanned with CamScanner

(घ) उन्होंने सिर पर <u>पगड़ी</u> बाँधी। व्यक्तिवाचक संज्ञा ☐ जातिवाचक संज्ञा ☐

(ङ) हम <u>रंगास्वामी</u> मंदिर गए। व्यक्तिवाचक संज्ञा ☐ भाववाचक संज्ञा ☐

3. एक से अधिक व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन को **संयुक्त व्यंजन** कहते हैं। ये संख्या में चार होते हैं– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र। एक जैसे व्यंजनों से मिलकर बने व्यंजनों को **द्वित्व व्यंजन** कहते हैं; जैसे– क्क, म्म, ल्ल, च्च। **बॉक्स में दिए गए शब्दों को छाँटकर सही जगह पर लिखिए–**

छुट्टियाँ	मद्दूर	पक्षी	मम्मी	रोट्टी	यात्रा	दक्षिण	श्रम

संयुक्त व्यंजन वाले शब्द – ....

द्वित्व व्यंजन वाले शब्द – ....

रचनात्मक

खोजबीन

- तेलुगू भाषा में किसी का आदर करने के लिए नाम के आगे 'गारू' और हिंदी भाषा में नाम के पीछे 'जी' लगाया जाता है। ऐसे ही कोई तीन भाषाओं के आदर देने वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

आओ कुछ नया करें

- दिए गए चित्रों को पहचानकर लिखिए कि ये कौन-सी भाषा बोलती हैं–

मैं .... बोलती हूँ।

पंजाब

मैं .... बोलती हूँ।

केरल

मैं .... बोलती हूँ।

बंगाल

मैं .... बोलती हूँ।

महाराष्ट्र

Scanned with CamScanner

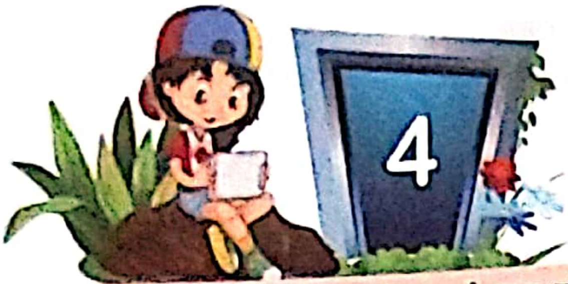

मेरा भारत देश

(कविता)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस कविता का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से लयबद्ध गान करेंगे।

आँख खोलकर सुबह-सुबह
मैं मन में कहता हूँ,
प्रभु तेरा **उपकार** कि
मैं भारत में रहता हूँ।
मेरी **मातृभूमि** है भारत,
मैं भारत के **योग्य** बनूँ,
मातृभूमि की **प्रकृति**, पुरुष,
पशु सबको अपना **सगा** गिनूँ।
इनका दुख अपना दुख मानूँ,
इनके सुख को सुख अपना,
प्रभु ऐसा **बल** दो कि कर सकूँ
पूरा बापू का सपना।
भारत के जल, **पवन**,
अन्न, **माटी** में पलता हूँ,
प्रभु तेरा उपकार कि
मैं भारत में रहता हूँ।

–भवानी प्रसाद मिश्र

संदेश: हमारा भारत देश महान है।

शिक्षक के लिए

- बच्चों से कविता का शुद्ध उच्चारण व लय के साथ गान कराएँ।
- इन्हें अपने देश की महानता के बारे में बताएँ।

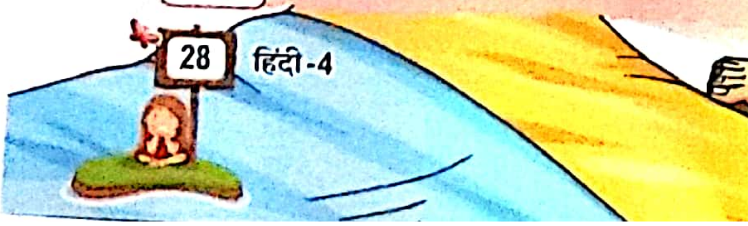

शब्द-अर्थ

मातृभूमि	जन्मभूमि	प्रभु	ईश्वर	अन्न	अनाज
बल	शक्ति, ताकत	पवन	हवा	उपकार	भलाई, एहसान
योग्य	लायक	माटी	मिट्टी	प्रकृति	कुदरत
पशु	जानवर	सगा	एक ही परिवार का		

☞ **वाचन/श्रुतलेख–** मातृभूमि, प्रकृति, प्रभु, योग्य, अन्न, पुरुष।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) अपने देश के बारे में कुछ वाक्य बोलिए।

(ख) कविता में किसे सबसे बढ़कर बताया गया है?

(ग) आँख खोलकर सुबह-सुबह कवि मन में क्या कहता है?

लिखित

1. दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

मेरी मातृभूमि .... ,
.... योग्य बनूँ,
मातृभूमि की .... ,
.... सगा गिनूँ।

Scanned with CamScanner

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–

(क) इस कविता में कवि किसका उपकार मान रहा है? ....

(ख) कवि किसके योग्य बनना चाहता है? ....

(ग) कवि किसके सपने को पूरा करना चाहता है? ....

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) प्रभु ने हम पर क्या उपकार किया है?

(ख) कवि किस-किसको अपना सगा मानना चाहता है?

(ग) प्रकृति, पुरुष और पशु को सगा मानकर कवि की क्या करने की इच्छा है?

(घ) हम किसमें पलते हैं?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

- आपस में प्यार बढ़ाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

भाषा की दुनिया

पर्यायवाची शब्द, है-हैं का प्रयोग, 'की, कि' का प्रयोग

1. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए–

आँख – ....

देश – ....

जल – ....

बल – ....

पानी मुल्क नयन ताकत शक्ति वतन नीर नेत्र

2. 'है' या 'हैं' से खाली जगह भरिए–

(क) हम भारत में रहते ....।

(ख) भारत मेरी मातृभूमि ....।

(ग) मैंने इनके दुख को अपना माना ....।

(घ) हम आपस में भाई-भाई ....।

Scanned with CamScanner

3. शब्दों को जोड़ने के लिए '**की**' का प्रयोग करते हैं तथा वाक्यों को जोड़ने के लिए '**कि**' का प्रयोग करते हैं। **अब आप 'की' या 'कि' से खाली जगह भरिए–**

(क) प्रभु तेरा उपकार .... मैं भारत में रहता हूँ।

(ख) मातृभूमि .... प्रकृति, पुरुष, पशु सबको अपना सगा गिनूँ।

(ग) प्रभु ऐसा बल दो .... कर सकूँ पूरा बापू का सपना।

(घ) बच्चे भारत .... शान हैं।

रचनात्मक

सुनिए और बताइए

- अब आपके सामने अध्यापक/अध्यापिका एक कहानी सुनाएँगे। उसे ध्यानपूर्वक सुनकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (अध्यापक/अध्यापिका श्रुतभाव ग्रहण हेतु पृष्ठ-96 देखें।)

(क) रामी के पिता क्या बनाते थे?

(ख) रामी की माँ क्या बनाती थीं?

(ग) नैना ने रामी को क्या दिया?

(घ) रामी का घोड़ा कैसा था?

खोजबीन

- दिए गए राष्ट्रीय चिह्नों के बारे में पता करके लिखिए–

(क) राष्ट्रीय ध्वज (ख) राष्ट्रीय स्तंभ (ग) राष्ट्रीय पशु-पक्षी (घ) राष्ट्रीय फूल

लेखन

- 'मेरा देश महान' विषय पर एक निबंध लिखिए।

हँसने की बारी